



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)
प्रतिभार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 455]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 7, 1982/आश्विन 15, 1904

No. 455]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 7, 1982/ASVINA 15, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन को रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
आदेश

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर, 1982

कां.भा. 718(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व औद्योगिक विकास मंत्रालय के आदेश सं. कां. भा. 601(अ)/18/आई.डी.आर.ए. 74, तारीख 8 अक्टूबर, 1974 द्वारा उसमें विनिर्दिष्ट प्रबंध बोर्ड को मैसर्स इस्टर्न डिस्टिलरीज प्राइवेट लिमिटेड, कलकत्ता नामक सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध 8 अक्टूबर, 1974 से प्रारम्भ होने वाली पांच वर्ष की अवधि के लिये ग्रहण करने के लिये प्राधिकृत किया था; और ऊपर निर्दिष्ट प्रबंध बोर्ड का भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. कां.भा. 566(अ) तारीख 25 सितम्बर, 1978 द्वारा पुनर्गठन किया गया था।

और केन्द्रीय सरकार ने, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं. कां.भा. 237(अ) तारीख 1 मई, 1979 द्वारा पश्चिमी बंगाल सरकार के रुग्ण और बन्द उद्योग विभाग जो अब औद्योगिक पुनर्गठन विभाग के नाम से जाना है, सचिव को उपर्युक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध 8 अक्टूबर, 1974 से पांच वर्ष की शेष अवधि के लिये ग्रहण करने के लिये प्राधिकृत किया था;

और केन्द्रीय सरकार ने, आदेश सं. कां.भा. 556 (अ) /18/आई.डी.आर.ए. 79 तारीख 28 सितम्बर, 1979 द्वारा निदेश दिया था कि उक्त आदेश का प्रभाव 8 अक्टूबर, 1979 से एक वर्ष की और अवधि के लिये जारी रहेगा;

और केन्द्रीय सरकार ने आदेश सं. कां.भा. 838(अ) तारीख 7 अक्टूबर, 1980 द्वारा निदेश दिया था कि उक्त आदेश का प्रभाव 8 अक्टूबर, 1980 से एक वर्ष की और अवधि के लिये जारी रहेगा,

और केन्द्रीय सरकार ने, आदेश सं. कां. भा. 737(अ), तारीख 6 अक्टूबर, 1981 द्वारा निदेश दिया था कि समयसमय पर यथा संशोधित उक्त आदेश का प्रभाव 8 अक्टूबर, 1981 से एक वर्ष की और अवधि के लिये जारी रहेगा,

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त आदेश का 31 मई, 1983 तक, जिसके प्रसंगत यह तारीख भी है, की और अवधि के लिये प्रभाव बना रहना चाहिये,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि तारीख 8 अक्टूबर, 1974 के उक्त आदेश का प्रभाव 8 अक्टूबर, 1982 से 31 मई, 1983 तक और अवधि के लिये जारी रहेगा।

[कां.सं.-2(16)/70-सी.यू.एस.]

ए० पी० सरजन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 7th October, 1982

S O 718(E)/18A/IDRA/82—Whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) by the Order of the Government of India in the Ministry of Industrial Development No S O 601(F)/18A/IDRA/74, dated the 8th October 1974 (hereinafter referred to as the said Order) authorised the Board of Management specified therein to take over the management of the whole of the industrial undertaking namely Messrs Eastern Distilleries Private Limited (Calcutta) for a period of five years commencing from the 8th October 1974 and the Board of Management referred to above was reconstituted by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No S O 566(F) dated the 25th September 1976

And whereas by Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No S O 237(L) dated the 1st May, 1979 the Central Government authorised the Secretary Sick and Closed Industries Department now known as Industrial Reconstruction Department Government of West Bengal Calcutta to take over management of the aforesaid industrial

undertaking for the remaining period of five years from the 8th October, 1974,

And, whereas by Order No S O 556(E)/18A/IDRA/79, dated the 28th September, 1979 the Central Government directed that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year from 8th October 1979,

And whereas by Order No S O 838(F) dated the 7th October 1981 the Central Government directed that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year from 8th October, 1980,

And, whereas by Order No S O 737(L) dated the 6th October 1981 the Central Government directed that the said Order as amended from time to time, shall continue to have effect for a further period of one year from the 8th October 1981,

And, whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period upto and inclusive of 31st May 1983,

Now therefore in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order dated the 8th October, 1974 shall continue to have effect for a further period from 8th October 1982 to 31st May 1983

[File No 2(16)/79 CUS]

A P SARWAN, Jt Secy